माननीय मुख्यमंत्रीजी द्वारा पाकुड़ जिले में परियोजना अन्तर्गत बनाये गये स्वयंसहायता समूह को पुरस्कार दिया गया

दिनांक 26 सितम्बर 2011 को मान्नीय मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा के पाकुड़ प्रवास के दौरान जिला प्रशासन की ओर से रानी ज्यातिर्मयी स्टेडियम, पाकुड़ में आयोजित परिसंपत्ति वितरण सह सहिया सम्मेलन के मौके पर मुख्यमंत्री सहित अन्य मुत्रियों द्वारा पाँच करोड़ पैंतालिस लाख की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इस मौके पर यू.एन. डी.पी. पोषित जे.एस.एल.पी.एस. के वित्तीय समावेशन कार्यक्रम के तहत् गठित स्वयं सहायता समूहों में से आठ स्वयं सहायता समूहों को गायपालन, बकरी पालन एवं सुअर पालन व्यवसाय कार्य हेतु ग्रेडिंग की राशि का चेक प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि पूर्व में इन समूहों को आरसेटी (RSETI) के माध्यम से गायपालन, बकरी पालन एवं सुअर पालन विषय पर व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है जिससे ये समूह तकनीकि रुप से सक्षम होकर अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक चला सकें। ग्रेडिंग पश्चात राशि प्राप्त करने वाले समूहों का विवरण निम्नानुसार है–

क्र.	समूह का नाम	ग्राम	पंचायत	गतिविधि	ग्रेडिंग	राशि (रु)
1	सूर्यमुखी स्वयं सहायता समूह	हाथीमारा	तेलियापोखर	गायपालन	द्वितीय	350000
2	नवा मार्शल स्वयं सहायता समूह	हाथीमारा	तेलियापोखर	गायपालन	द्वितीय	300000
3	बेली स्वयं सहायता समूह	बलियापत्रा	तेलियापोखर	गायपालन	द्वितीय	300000
4	झारखण्ड महिला स्वयं सहायता समूह	हाथीमारा	तेलियापोखर	सुअर पालन	प्रथम	25000
5	सहेली स्वयं सहायता समूह	सोलपटिया	तेलियापोखर	बकरीपालन	प्रथम	25000

6	गेंदा फूल स्वयं सहायता समूह	बलियापत्रा	तेलियापोखर	बकरीपालन	प्रथम	25000
7	गुलाब बाहा स्वयं सहायता समूह	लंगबेहरा	तेलियापोखर	सुअर पालन	प्रथम	25000
8	सूर्यमुखी स्वयं सहायता समूह	सोलपटिया	तेलियापोखर	सुअर पालन	प्रथम	25000
		कुल राशि (रु)				**1500000**

(शब्दों में राशि रुपये पंद्रह लाख मात्र)

ज्ञात हो कि उक्त समूहों को जे.एस.एल.पी.एस. की सहयोगी संस्था सृष्टि सेवा संस्था, पाकुड़ के द्वारा सहयोग एवं सतत् मार्गदर्शन प्रदान किया जाता रहा है। अब इन समूहों को जे.एस.एल.पी.एस. की सहयोगी संस्था के माध्यम से उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हुए जिस गतिविधि हेतु राशि प्रदान की गयी है उसके सफल संचालन में सहयोग प्रदान किया जाएगा जिससे ये समूह सफल व्यवसाय कर अपनी आर्थिक स्थिति को अधिक संदृढ़ बना कर समाज में आदर्श जीवन जी सकें।